ICGS वराह का पूर्वी अफ्रीका में समुद्री कूटनीति में योगदान

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में **भारतीय तटरक्षक अपतटीय गश्ती जहाज़ ICGS वराह** को पूर्वी अफ्रीका में चल रही रणनीतिक विदेशी तैनाती के एक भाग के तहत**मोजाम्बिक के मापुटो पत्तन** पर एक महत्त्वपूर्ण कदम के तहत तैनात किया गया। यह मौजूदा राजनयिक सामुद्रिक जुड़ाव के तहत एक बड़ी उपलब्धि है।

- इसका उद्देश्य **भारत की जहाज़ निर्माण क्षमताओं** को प्रदर्शित करना और "आत्मनिर्भर भारत" को बढ़ावा देना है।
- जहाज़ों की यह तैनाती **ICG और मोजाम्बिक की समुद्री एजेंसियों के** बीच संबंधों को मज़बूत करती है।
- यह विदेशी तैनाती **द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और विदेशी मित्र देशों (FFCs)** के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की भारतीय तटरक्षक की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। साथ ही, यह **"सागर-क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा व विकास"** और "**ग्लोबल साउथ**" की अवधारणा में शामिल भारत की समुद्र को लेकर सोच के अनुरूप है।
- उल्लेखनीय है कि इस यात्रा से पहले ICGS वराह ने अफ्रीकी क्षेत्र में केन्या के मोम्बासा पत्तन पर तैनात होकर राजनयिक सामुद्रिक गतिविधियों की निर्बाध निरंतरता का प्रदर्शन किया था।
    - ICGS वराह, ICG के सात 98-मीटर वाली OPV की शृंखला में चौथा है।

और पढ़ें...भारतीय तट रक्षक (ICG)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/icgs-varaha-enhances-maritime-diplomacy-in-east-africa